

मोहन की जो याद आई जरा अशको को बहाने दो

मोहन की जो याद आई जरा अशको को बहाने दो
जिन राहो से वो गुजरे वो राहे सजाने दो

सुनते है मेरे मोहन नजरो से पिलाते हो
एक बार जरा नजरे नजरो से मिलाने दो

सुनते है मेरे मोहन रोटो को हँसाते है
एक बार तो दुखड़ो को हमको बे सुनाने दो

सुनते है मेरे मोहन करुना बरसाते है
एक बार तो हमको भी दर्श तो पाने दो

जो चाहे सजा देना ऐ श्याम के दरबानो
एक बार तो चरणों में जरा सीर को झुकाने हो

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/640/title/mohan-ki-ho-yaad-aayi-zara-ashko-bahane-do>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |